पञ्चमः पाठः
चाणक्यवचनानि

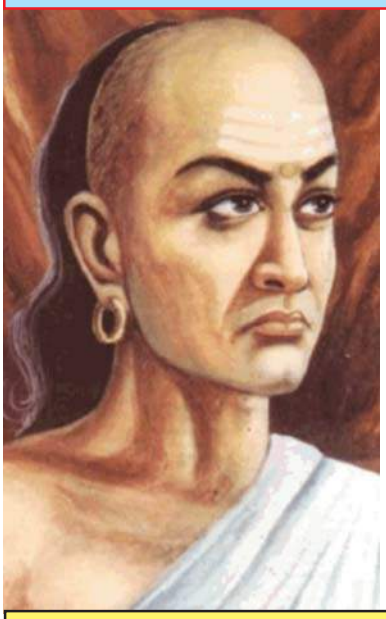

(1) गुणो भूषयते रूपं, शीलं भूषयते कुलम्।
सिद्धिर्भूषयते विद्यां, भोगो भूषयते धनम्।।

(2) कोकिलानां स्वरो रूपं स्त्रीणां रूपं पतिव्रतम्।
विद्यारूपं कुरूपाणां क्षमा रूपं तपस्विनाम्।।

(3) काकः कृष्णः पिकः कृष्णः को भेदो पिककाकयोः।
वसन्ते समये प्राप्ते, काकः काकः पिकः पिकः।।

(4) धनिकः श्रोत्रियो राजा नदी वैद्यस्तु पञ्चमः।
पञ्च यत्र न विद्यन्ते तत्र वासं न कारयेत्।।

(5) जलबिन्दु निपातेन क्रमशः पूर्यते घटः।
स हेतुः सर्वविद्यानां धर्मस्य च धनस्य च।।

अर्थः

(1) गुण से रूप की शोभा होती है। शील से कुल की प्रशंसा होती है– विद्या की शोभा सिद्धि से होती है और धन की शोभा उचित भोग से होती है।

(2) कोयल की शोभा उसके मीठे स्वर से है। स्त्री की शोभा पतिव्रत धर्म से है। कुरूप विद्या से शोभा पाता है, इसी प्रकार तपस्वी की शोभा क्षमा से जानी जाती है।

(3) कौआ काला होता है। कोयल भी काली होती है दोनों में क्या भेद है ? बसन्त ऋतु के समय पता चलता है कि कौआ, कौआ है और कोयल, कोयल है।

(4) धनवान लोग, पण्डित (वेद जानने वाले), राजा, नदी, वैद्य (चिकित्सक) जिस जगह इन पाँचों का अभाव हो यानी ये पाँच जहाँ न हो वहाँ निवास नहीं करना चाहिए।

(5) एक–एक बूँद जल के गिरने से घड़ा भर जाता है इसी तरह विद्या, धन और धर्म भी धीरे–धीरे सञ्चय करने से इकट्ठे होते हैं।

शब्दार्थाः

भूषयते = शोभा देती है। कोकिलानाम् = कोयलों की। कुरूपाणाम् = कुरूपों की। तपस्विनाम् = तपस्वियों की। काकः = कौआ। कृष्णः = काला। पिकः = कोयल। बसन्ते समये प्राप्ते = बसन्त ऋतु के समय में। धनिकः = धनवान। श्रोत्रियों = वेद जानने वाले पण्डित। विद्यन्ते = रहते हैं। तत्र = वहाँ। वास = रहना। कारयेत् = करना चाहिए। जलबिन्दुनिपातेन = जल बिन्दु के गिरने से। पूर्यते = पूर्ण हो जाता है। घटः = घड़ा। सर्वविद्यानाम् = सभी विद्याओं का। धर्मस्य = धर्म का। धनस्य = धन का।

अभ्यासः

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए –

(क) कः शीलं भूषयते ?

(ख) कः स्वरः भूषयते ?

(ग) पिककाकयोः भेदः कदा भवति ?

(घ) कुत्र वासं न कारयेत् ?

(ड.) केन क्रमशः पूर्यते घटः ?

प्रश्न 2. निम्न शब्दों का संस्कृत में वाक्य बनाइये –

(1) भूषयते (2) कोकिलानाम् (3) कृष्णः (4) काकः

(5) धनिकः (6) घटः (7) धर्मस्य (8) धनस्य

(9) तत्र (10) विद्यन्ते।

प्रश्न 3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए।

(क) विद्या सिद्धि से सुशोभित होती है।

(ख) कुरूप विद्या से शोभा पाता है।

(ग) कोयल काली होती है।

(घ) तपस्वी क्षमा से सुशोभित होता है।

(ड.) कहाँ वास नहीं करना चाहिए।

प्रश्न 4. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(1) सिद्धिर्भूषयते विद्यां ..... धनम्।

(2) काकः कृष्णः पिकः कृष्णः .....।

(3) ..... क्रमशः पूर्यते घटः।

प्रश्न 5. "राजन्" पुल्लिङ्ग शब्द की कारक रचना लिखिए ?

प्रश्न 6. निम्नलिखित अव्ययों का वाक्य में प्रयोग कीजिए–

(1) यत्र (2) तत्र (3) च

PTHCZS